

(ग) श्रीर (ब). एक पद दूसरे विभाग के कार्यचारियों के स्थानान्तरण द्वारा भरा गया है। जब रिक्त स्थान स्थानान्तरण द्वारा भरे जाते हैं तो अनुसूचित एवं अनुसूचित आदिम जातियों के लिये आरक्षण नहीं किया जाता है। एक पद रिक्त है और निकट भविष्य में इसके भरे जाने की आशा नहीं है। यदि इसके प्रत्यक्ष-भर्ती से भरने का निर्णय हुआ तो अनुसूचित एवं अनुसूचित आदिम जातियों के लिये आरक्षण विषयक आदेश लागू होंगे। दूसरे दोनों पद मन्त्रियों के निजी स्टाफ पर हैं और इन्हें संबंधित मन्त्रियों की इच्छानुसार भरा जाता है।

अ.शुल्लिपिक

2465. श्री रामानन्द शास्त्री : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उनके मंत्रालय में हिन्दी छात्र-लिपिकों के कितने पद हैं :

(ख) गृह-कार्य मंत्रालय के आदेशानुसार अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के लिए कितने पद आरक्षित हैं ;

(ग) क्या सभी आरक्षित पदों पर अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के व्यक्ति कार्य कर रहे हैं ; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भाषणत झा आजाद) : (क) 5.

(ख) कोई नहीं है।

(ग) और (घ). प्रश्न नहीं उठता।

केन्द्रीय सरकार द्वारा मंगवाई गई पश्चिम सरकार बंगाल की फाइलें

2466. श्री प्रकाशवीर शास्त्री :

श्री रघुवीर सिंह शास्त्री :

श्री शिव कुमार शास्त्री :

श्री मोल्लू प्रसाद :

श्री अर्जुन सिंह भदौरिया :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पश्चिम बंगाल सरकार ने केन्द्रीय सरकार को कहा है कि वह उन्हें उस राज्य के वे कागजात लौटा दे, जो केन्द्रीय सरकार ने मंगवा लिये थे ;

(ख) यदि हा, तो इसका पूरा ज्योरा क्या है ; और

(ग) इस बारे में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) पश्चिम बंगाल सरकार ने कुछ ऐसे रिकार्डों की वापसी के लिए अनुरोध किया है जो राज्य सरकार के अधिकार से केन्द्रीय सरकार को हस्तान्तरित किये गए थे।

(ख) ज्योरा प्रगट करना जन हित की दृष्टि से ठीक नहीं होगा।

(ग) सरकार मामले पर विचार कर रही है।

विश्ववायतन धोगाभ्रम की अनुदान

2467. श्री प्रकाशवीर शास्त्री :

श्री रघुवीर सिंह शास्त्री :

श्री शिव कुमार शास्त्री :

श्री मोल्लू प्रसाद :

श्री अर्जुन सिंह भदौरिया :

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने लगभग चार वर्ष पूर्व गई दिल्ली में स्थित विश्ववायतन